

हरियाणा सरकार

ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचना

दिनांक 17 अप्रैल, 1998

संख्या सा० का० नि० 111/सवि०/अनु० 309/98.—भारत के संविधान के अनुच्छेद-309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा ग्रामीण विकास विभाग (ग्रुप घ) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

भाग I—सामान्य

संक्षिप्त नाम :

1. ये नियम हरियाणा ग्रामीण विकास विभाग (ग्रुप घ) सेवा नियम, 1998, कहे जा सकते हैं।

परिभाषाएँ :

2. इन नियमों में, जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
  - (क) "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो;
  - (ख) "निदेशक" से अभिप्राय है, निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, हरियाणा;
  - (ग) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार;
  - (घ) "संस्थान" से अभिप्राय है, हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; अथवा

(II) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था;

  - (ङ) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा ग्रामीण विकास विभाग (ग्रुप घ) सेवा।

भाग II—सेवा में भर्ती

पदों की संख्या तथा स्वरूप :

3. सेवा में, इन नियमों के परिशिष्ट क में बताये गये पद होंगे :

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पद नामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकारों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों की राष्ट्रिकता, अधिवास तथा चरित्र :

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह निम्नलिखित न हो,—

(क) भारत का नागरिक; या

(ख) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) तिब्बत का शरणार्थी, जो जनवरी, 1962, से पहले भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो; या

(ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा कीनिया, युगांडा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानीका और जंजीबार) जांबिया, मलाव, जायरे और ईथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासी होकर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ङ), से सम्बन्धित व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण पत्र आवश्यक हो, भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए, प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह अन्तिम उपस्थिति के विद्यालय या ऐसी संस्था के, यदि कोई हो, प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण पत्र, और दो ऐसे अन्य जन्मेवार व्यक्तियों से जो उसके सम्बन्धी न हों, किन्तु उसके व्यवगत जीवन में उससे भली-भान्ति परिचित हों और जो उसके विद्यालय या संस्था से सम्बन्धित न हों, इसी प्रकार के प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करे।

आयु :

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जाएगा जो भर्ती प्राधिकरण को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि को सोलह वर्ष की आयु से कम या पैंतीस वर्ष की आयु से अधिक का हो।

नियुक्ति प्राधिकारी :

6. सेवा में पदों पर नियुक्तियां निदेशक द्वारा की जाएंगी।

**योयताएं :**

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट "ख" के खाना 3 में तथा सीधी भर्ती से अन्यथा भर्ती की दशा में, पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में उल्लिखित अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो :

**अयोयताएं :**

8. कोई भी व्यक्ति, —

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ;

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ;

सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लामू होने से छूट दे सकती है।

**भर्ती का ढंग :**

9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जायेगी, —

(क) गेस्टेटरन ओपरेटर की दशा में —

(i) सेवादारों में से पदोन्नति द्वारा ;

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ख) सेवादार की दशा में, —

(i) सीधी भर्ती द्वारा ;

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ग) सेवादार एवं चौकीदार भी दशा में, —

(i) सीधी भर्ती द्वारा ;

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ।

(2) जब तक अन्यथा उपबन्धित न हो, सभी पदोन्नतियां ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जायेगी और केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।

**परिवीक्षा :**

10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिये और यदि अन्यथा नियुक्त किया या हो तो एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु—

(क) ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिवीक्षा की अवधि में गिनी जायेगी ;

(ख) स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि की ओर गिनने दी जा सकती है ; और

(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जायेगी किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न रहा हो तो वह,—

(क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है ; और

(ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो,—

(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या

(ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तों अनुज्ञात करे।

3. किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,—

(क) यदि उसकी राय में उसका कार्य या आचरण सन्तोषजनक रहा हो तो —

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है,

- (ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थाई रिक्ति या नियुक्त किया गया हो, स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या
- (iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है ; या
- (ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो, —
- (i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करे ; या
- (ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :

परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि कोई हो, शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

ज्येष्ठता :

11. सेवा के सदस्यों को परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवा काल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहां प्रत्येक संवर्ग के लिये ज्येष्ठता पृथक रूप से निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय भर्ती प्राधिकरण द्वारा निश्चित योग्यता क्रम भंग नहीं किया जायेगा :

परन्तु वह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी :—

- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;
- (ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;
- (ग) पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में, ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरित किये गये थे ; और
- (घ) विभिन्न वर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान्त ऐसे सदस्य को दिया जायेगा जो अपनी पहले ]

की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था, और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार, और यदि सेवा काल भी समान हो तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का दायित्व :

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर सेवा करने के लिये आदेश दिये जाने पर, ऐसा करने के लिये दायी होगा।

(2) सेवा के किसी भी सदस्य को सेवा के लिये निम्नलिखित के अधीन प्रतिनियुक्ति किया जा सकता है,—

(i) कोई कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय, चाहे वह निर्गमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय ;

(ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय, चाहे वह निर्गमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो ; या

(iii) कोई आयु राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय, जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो अथवा गैर-सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) या खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय की सेवा के अधीन प्रतिनियुक्ति नहीं किया जायेगा।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले :

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के सम्बन्ध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबन्ध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे जो संक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाए या बनाये गये हों अथवा इसके बाद अपनाए या बनाये जायें।

अनुशासन शास्तियां तथा अपीलें :

14. (1) अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलों से सम्बन्धित मामलों में सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, द्वारा शासित होंगे :

परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती है ऐसी शास्तियां लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के अधीन रहते हुए वे होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट "ग" में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, के नियम 9 के उपनियम (1) के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) के अधीन आदेश करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो नियमों के परिशिष्ट "घ" में विनिर्दिष्ट है।

टीका लगवाना :

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य, जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निदेश करे, टीका लगवायेगा तथा पुनः टीका लगवायेगा।

राजनिष्ठा की शपथ :

16. सेवा के प्रत्येक सदस्य से जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जायेगी।

ढील देने की शक्ति :

17. जहाँ सरकार की राय में इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक या उचित हो, वहाँ वह कारण लिखकर, आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है।

विशेष उपबन्ध :

18. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबन्धन तथा शर्तें लगाना उचित समझे, तो वह ऐसा कर सकता है।

आरक्षण :

19. इन नियमों में दी गई कोई भी बात, राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में, समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, अन्य विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिये अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी :

परन्तु इस प्रकार से किये गये आरक्षण की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

निरसन तथा व्यावृत्ति :

20. सेवा को लागू कोई नियम तथा इन नियमों में से किसी के अनुरूप कोई नियम, जो इन नियमों के आरम्भ से तुरन्त पहले लागू हो इसके द्वारा, निरसित किये जाते हैं :

परन्तु इस प्रकार से निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जायेगी।

परिशिष्ट क  
(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1	2	3	4	5	6
1	गैस्टेटर ओपरेटर	..	1	1	950-20-1150 द० रो० 25-1500 रुपये
2	सेवादार	..	13	13	750-12-870 द० रो०-14-940 रुपये
3	सेवादार एवं चौकीदार	..	1	1	950-12-870 द.रो. 14- 940 रुपये

परिशिष्ट ख  
(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिये शैक्षणिक अर्हतायें तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिये शैक्षणिक योग्यतायें तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1	गैस्टेटर ओपरेटर	—	सेवादार के रूप में पांच वर्ष का अनुभव।
2	सेवादार	हिन्दी तथा अंग्रेजी का ज्ञान।	सेवादार के रूप में दो वर्ष का अनुभव।
3	सेवादार एवं चौकीदार	(1) हिन्दी तथा अंग्रेजी का ज्ञान। (2) भूतपूर्व सैनिक को प्राथमिकता दी जायेगी।	सेवादार एवं चौकीदार के रूप में दो वर्ष का अनुभव।



परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 14 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
1	गैस्टेटर और ओपरेटर	निदेशक	छोटी शास्तियाँ—	निदेशक	सरकार
2	सेवादार		(i) वैयक्तिक फाईल (आचरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चतावनी ;		
3	सेवादार एवं चौकीदार		(ii) परिनिन्दा ; (iii) पदोन्नति रोकना ; (iv) आदेशों की उपेक्षा या उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार को या ऐसी कम्पनी या संगम या व्यष्टि निकाय चाहे वह निगमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण के पास है, या संसद या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण या विश्व-विद्यालय को हुई धन सम्बन्धी हानि की पूरी या उसके भाग की वेतन से वसूली ; (v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धियाँ रोकना ;		
			बड़ी शास्तियाँ—		
			(vi) संचयी प्रभाव से वेतन वृद्धियाँ रोकना ;		

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

(vii) किसी निम्न पद अवधि के लिये समयमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे प्रतिरिक्त निदेशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति के अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर, ऐसी अवनति उसकी भावी वेतन वृद्धियां स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं ;

(viii) निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति जो सरकारी कर्मचारी के उस समय वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर, जिससे वह अवनत किया गया था पदोन्नति के लिये साधारणतः रोक होगी, ऐसा जिस ग्रेड, अथवा पद अथवा सेवा से सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया था उस पर बहाली संबंधी और उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों सम्बन्धी अतिरिक्त निदेशों के साथ या उनके बिना होगा ;

(ix) अनिवार्य सेवा निवृत्ति ;

(x) सेवा से हटाया जाना जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिये अयोग्यता नहीं होगी ;

(xi) सेवा से पदच्युति जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिये सामान्यतः निरर्हता होगी ;

परिशिष्ट घ

[ देखिए नियम 14 (2) ]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश पारित करने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5
1	मैस्टेटर	(i) पैशन को नियन्त्रित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय सामान्य अतिरिक्त पैशन की राशि में कमी करना या रोकना ;	निदेशक	सरकार
2	सेवादार			
3	सेवादार एवं चौकीदार	(ii) सेवा के किसी सदस्य की अधि-वर्षिता के लिये नियत आयु होने से पूर्व अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति ।		

बी० डी० ढालिया,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
ग्रामीण विकास विभाग ।

[Authorised English Translation]

## HARYANA GOVERNMENT

## RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT

## Notification

No. G.S.R./111Const./Art. 309/98.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana Rural Development Department (Group D) Service, namely:—

## PART I—GENERAL

## Short title:

1. These rules may be called the Haryana Rural Development Department (Group D) Service Rules, 1998.

## Definitions:

2. In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "direct recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the service of the Government of India or any State Government ;
- (b) "Director" means the Director of Rural Development, Haryana ;
- (c) "Government" means the Haryana Government in the Administrative Department ;
- (d) "Institution" means,—
  - (i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or
  - (ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules ;
- (e) "Service" means the Haryana Rural Development Department (Group D) Service.

## PART II—RECRUITMENT TO SERVICE

## Number and character of posts:

3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules :

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make addition to or reduction in the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.

**Nationality, domicile and character of candidates appointed to Service:**

4. (1) No persons shall be appointed to any post in the Service, unless he is,—
- (a) a citizen of India ; or
  - (b) a subject of Nepal ; or
  - (c) a subject of Bhutan ; or
  - (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st day of January, 1962, with the intention of permanently settling in India ; or
  - (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or any of the East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India :
- Provided that a person belonging to any of the categories (b), (c), (d) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment unless he produces a certificate of character from the principal, academic officer of the school or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his school or institution.

**Age:**

5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than sixteen years or more than thirty five years of age, on the last date of submission of application to the recruiting authority.

**Appointing authority:**

6. Appointments to the posts in the Service shall be made by the Director.

**qualifications:**

7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of appointment other than by direct recruitment.

**Disqualifications:**

8. No person,—
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**Method of recruitment:**

9. (1) Recruitment to the Service shall be made,—
- (a) In case of Gestatnor Operator —
- (i) by promotion from amongst Peons ; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India ;
- (b) in case of Peon,—
- (i) by direct recruitment ; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the Service of any State Government or the Government of India ;
- (c) in case of Peon-cum-Chowkidar.—
- (i) by direct recruitment ; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the Service of any State Government or the Government of India.
- (2) Unless otherwise provided, when any vacancy occurs or is about to occur in the Service, the appointing authority shall determine the method by which it shall be filled in.
- (3) All promotions, unless otherwise provided, shall be made on seniority-cum-merit basis and seniority alone shall not confer any right to such promotions.

**Probation:**

10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment, and one year if appointed otherwise :

Provided that,—

- (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation ;
- (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service, may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule ; and

- (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed unless he is appointed against a permanent vacancy.
- (2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,—
- (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his Services ;  
and
  - (b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment,—
    - (i) revert him to his former post ; or
    - (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of the previous appointment permit.
- (3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,—
- (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory,—
    - (i) confirm such person from the date of his appointment if appointed against a permanent vacancy ; or
    - (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy ; or
    - (iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy ; or
  - (b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory,—
    - (i) dispense with his Services, if appointed by direct recruitment if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit ;  
or
    - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such orders, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :  
Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

**Seniority**

11. Seniority, inter se, of the members of the Service, shall be determined by the length of continuous Service on any post in the Service :

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the recruiting authority shall not be disturbed in fixing the seniority :

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :—

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer ;

- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer
- (c) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred ; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their Service in appointment, and if the length of such Service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

#### **Liability to serve.**

12. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under,—

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a municipal corporation or a local authority or university within the State of Haryana ;
- (ii) the Central Government or a company an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government ; or
- (iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by the Government or a private body :

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clause (i) or clause (iii) except with his consent.

#### **Pay, leave pension and other matters**

13. In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the members of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been, or may hereafter be, adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

#### **Discipline, penalties and appeals]**

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 as amended from time to time :

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix to these rules.



---

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of sub-rule (1) of the rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

**Vaccination :**

15. Every member of the Service shall get himself vaccinated and revaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

**Oath or allegiance :**

16. Every member of Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

**Power of relaxation :**

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**Special provision :**

18. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

**Reservations :**

19. Nothing contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-servicemen, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard, from time to time :

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty per cent, at any time.

**Repeal and savings :**

20. Any rule applicable to the Service and corresponding to any of these rules which is in force immediately before the commencement of these rules is hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

## APPENDIX A

(See rule 3)

Serial No.	Designation of posts	Number of posts			Scale of pay
		Permanent	Temporary	Total	
1	2	3	4	5	6
					Rs.
1	Gestator Operator	..	1	1	950—20—1,150—EB—25—1,500
2	Peon	..	13	13	750—12—870—EB—14—940
3	Peon-cum-Chowkidar	..	1	1	750—12—870—EB—14—940

## APPENDIX B

(See rule 7)

Serial Number	Designation of posts	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualification and experience, if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1	Gestator Operator	—	5 years experience as Peon
2	Peon	Knowledge of Hindi and English	Two years experience as Peon
3	Peon-cum-Chowkidar	1. Knowledge of Hindi and English language 2. Preference will be given to an ex-serviceman.	Two years experience as Peon-cum-Chowkidar.

APPENDIX C  
[See rule 14(i)]

Serial No.	Designation of posts	Appointing authority	Nature of Penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority
1	2	3	4	5	6
			(1) Minor Penalties—		
1	Gestator Operator	Director	(i) Warning with a copy in the personal file (Character roll) ;	Director	Government
2	Peon		(ii) Censure ; (iii) Withholding of promotion ;		
3	Peon-cum-Chowkidar		(iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders, to Central Government or State Government or to a company and association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority or university set up by an Act of Parliament or of the Legislature or a State ; (v) Withholding of increments of pay without cumulative effect ;		
			(2) Major penalties—		
			(vi) <del>Withholding of increments with cumulative effect ;</del>		

1

2

3

4

5

6

- 
- (vii) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments or pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have effect of postponing the future increments of his pay ;
- (viii) reduction to a lower scale of pay, grade, post or service which shall ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post or service from which he was reduced with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his Seniority and pay on such restoration to that grade, post or service.
- (ix) compulsory retirement :
- (x) removal from the service which shall not be a disqualification for future employment under the Government.
- (xi) dismissal from the service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Government.
-

**APPENDIX D**

[See rule 14(2)]

Serial No.	Designation of posts	Nature of Order	Authority empowered to make the order	Appellate authority
1	2	3	4	5
1	Gestator Operator	(i) reduction or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pension ;	Director	Government
2	Peon			
3	Peon-cum-Chowkidar	(ii) terminating the appointment otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.		

**B. D. DHALIA,**

Commissioner and Secretary to Government Haryana,  
Rural Development Department, Chandigarh.